Date: 14.12.2020	**Publication:** Amar Ujala
Page no.: 12	**Edition:** New Delhi
Title: Understand the AYUSH coverage received under health insurance	

स्वास्थ्य बीमा में नहीं मिलता आयुष इलाज का पूरा लाभ

पॉलिसी का लाभ लेने के लिए कम-से-कम 24 घंटे भर्ती होना जरूरी

कालीचरण

नई दिल्ली। सरकार आयुष जैसे वैकल्पिक इलाज पर जोर दे रही है। इसको देखते हुए भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बीमा कंपनियों को आयुष (आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा और होम्योपैथ) उपचार को स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी में शामिल करने का निर्देश दिया है। हालांकि, कुछ कंपनियां आयुष उपचार को पहले से ही कवर देती रही हैं, लेकिन एक सीमा तक।

आमतौर पर आयुष प्रणाली में जड़ी-बूटियों से इलाज होता है। लेकिन कुछ विशिष्ट बीमारियों के इलाज में दवाओं का भी इस्तेमाल होता है। इसके अलावा, आयुष प्रणाली में सामान्य तौर पर मरीज को भर्ती होने की जरूरत नहीं पड़ती है, जबकि पॉलिसी का लाभ लेने को कम-से-कम 24 घंटे अस्पताल में भर्ती होना जरूरी है। यही वजह है कि स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी में आयुष इलाज पर होने वाले खर्च का पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। इसलिए वित्तीय बोझ से बचने के लिए पॉलिसी खरीदते समय जरूर देखें कि उसमें आयुष उपचार पर कितना कवर मिलता है।

50,000
का न्यूनतम कवर मिलता है आयुष उपचार पर आरोग्य संजीवनी के तहत

■ आरोग्य संजीवनी में प्री-पोस्ट हॉस्पिटलाइजेशन भी कवर

आमतौर पर आरोग्य संजीवनी में आयुष उपचार के लिए कम-से-कम 50,000 रुपये का कवर मिलता है। इसकी ऊपरी लिमिट नहीं है। आरोग्य संजीवनी में आयुष उपचार में प्री-हॉस्पिटलाइजेशन (भर्ती से 30 दिन पहले तक) और पोस्ट-हॉस्पिटलाइजेशन (डिस्चार्ज के 60 दिन बाद तक) खर्च भी शामिल है। इसके अलावा, आयुष उपचार के लिए मिलने वाली सुविधाएं इस बात पर निर्भर करेंगी कि आपने जो पॉलिसी खरीदी है, उसमें यह कवर है या नहीं।

आयुर्वेदिक उपचार के लिए कुछ सीमाएं...

बीमा कंपनियों के लिए

- सबसे बड़ी चुनौती है योग्य आयुष चिकित्सकों की पहचान करना।
- वैकल्पिक इलाज के संबंध में दुरुपयोग की आशंका।
- उस जगह (अस्पताल) की पहचान करना बड़ी समस्या, जहां उचित (साक्ष्य आधारित) और बेहतर इलाज की सुविधा।
- आयुष उपचार में इस्तेमाल दवाओं के प्रभाव और गुणवत्ता निर्धारण के लिए अध्ययन पर सवाल।

पॉलिसीधारकों के लिए

- होम्योपैथी, यूनानी या आयुर्वेद जैसे वैकल्पिक उपचार के लिए मरीज को भर्ती नहीं होना पड़ता है, जबकि बीमा का लाभ पाने के लिए कम-से-कम 24 घंटे भर्ती होना जरूरी।
- आयुष उपचार के संबंध में परामर्श पर होने वाले खर्च पर कवर नहीं।
- आरोग्य संजीवनी में आयुष के लिए 5% को-पे की सीमा यानी कुल इलाज खर्च का 5 फीसदी का भुगतान करना होगा।
- कमरे के किराये पर 2% सब-लिमिट है यानी बीमा कंपनी किराये का सिर्फ 2% ही चुकाएगी।

आयुष पर कितना कवर मिलता है, जरूर देखें

आयुष के तहत आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा और होम्योपैथ जैसे वैकल्पिक उपचार आते हैं। ऐसे में स्वास्थ्य बीमा खरीदते समय देखना चाहिए कि उसमें आयुष उपचार शामिल है या नहीं। इसमें भी आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा और होम्योपैथ कवर है या नहीं। इसके अलावा, पॉलिसी में आयुष पर कितना कवर मिल रहा है, यह भी देखें।

-गुरदीप सिंह बत्रा, प्रमुख (रिटेल अंडराइटिंग), बजाज अलियांज जनरल